

TS Pada Paatam – TS 1.4 Sanskrit Corrections –Observed till 15th April 2019

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

Section, Paragraph Reference	As Printed	To be read as or corrected as
Corrected at 33 places thorough out pada padam, Kandan No. 1.4	उपयामगृहीत इत्युपयाम – गृहीतः	उपयामगृहीत इत्युपयाम – गृहीतः (it is deergham)
1.4.24.1 - Vaakyam 25th Panchaati	अदब्धोभिः सवितः	अदब्धेभिः सवितः (it is "bdhe")
1.4.29.1 (Padam) 30 th Panchati	उर्जम्	ऊर्जम्
1.4.40.1 – Vaakyam 25th Panchaati	भव यच्छास्मै शर्म	भव यच्छास्मै शर्म
1.4.42.1 - Vaakyam 43th Panchaati	पिब वृत्रहच्छूर विद्वान्	पिब वृत्रहच्छूर विद्वान्
1.4.45.1 (Padam) 49th Panchati	वरुण	वरुणः (missing visargam added)

1.4.45.1 (Padam) 49th Panchati	हृदयाविध इति हृदया – विधः — — —	हृदयाविध इति हृदय-विधः — — — (it is hraswam)
1.4.45.2 (Padam) 50th Panchati	यक्षी — —	यक्षि (it is hraswam) — —

TS Pada Paatam – TS 1.4 Sanskrit Corrections –Observed till 31st January 2019

(ignore those which are already incorporated in your book's version and date)

Section, Paragraph Reference	As Printed	To be read as or corrected as
1.4.1.2 Vaakyam 2nd Panchati	तेनाऽस्मै यजमानायोरु — — —	तेनास्मै यजमानायोरु — — —
1.4.10.1 Padam 11th Panchati	स्वाग्रयण इति सु – आग्रयणः — — —	स्वाग्रयण इति सु – आग्रयणः — — —
1.4.20.1 Padam 21st Panchati	महेन्द्रायेति महा – इन्द्राय । — — —	महेन्द्रायेति महा – इन्द्राय । — — —
1.4.44.3 Vaakyam 48th Panchati	घर्मं दिवमा तिष्ठताऽनु — — —	घर्मं दिवमा तिष्ठतानु — — —

